Class - IV
Subject - HINDI
पाठ – 1 कामना

कवि – दीन दयाल उपाध्याय

1. शब्दार्थ :–

दीन	–	गरीब / असहाय
उपकार	–	दूसरों की भलाई
परवाह	–	देखभाल / ध्यान
निज	–	अपना
जग	–	संसार
सुमति	–	अच्छी बुद्धि
सदैव	–	सदा / हमेशा
रहन–सहन	–	रहने–जीने का तरीका
समता	–	बराबरी
वैभव	–	शान–शौकत

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

क. कविता के कवि का नाम बताइए।

उत्तर कविता के कवि का नाम 'दीन दयाल उपाध्याय' है।

ख. कवि किस–किस बात को अपनाना चाहते हैं?

उत्तर कवि दीन दुखियों को, निज वस्तुओं को और समता को अपनाना चाहते हैं।

ग. छुआछूत से आप क्या समझते हैं?

उत्तर ऊँची जाति के लोग निम्न जाति के लोगों को स्पर्श नहीं करते बल्कि उनसे दूरी बनाए रखते हैं, इसे ही छुआछूत कहते हैं।

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. लोगों की सेवा करने के लिए कवि ईश्वर से क्या माँग रहा है?

उत्तर लोगों की सेवा करने के लिए कवि ईश्वर से अच्छी बुद्धि और विद्या रूपी धन माँग रहा है।

ख. कवि किनके समान बनना चाहता है?

उत्तर कवि वीर जवाहरलाल नेहरू, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और महात्मा गांधी के समान बनना चाहता है।

ग. कवि अपनी परवाह किए बिना क्या करना चाहता है?

उत्तर कवि अपनी परवाह किए बिना दूसरों की भलाई करना चाहता है।

घ. कवि किसके लिए अपना बलिदान देना चाहता है?

उत्तर कवि मातृभूमि के लिए अपना बलिदान देना चाहता है।

4. मूल्यपरक प्रश्न :–

प्रश्न कविता में विद्या को धन क्यों कहा गया है?

उत्तर कविता में विद्या को धन कहा गया है क्योंकि विद्या यानी ज्ञान एक ऐसी चीज है जिसे हम कितना भी खर्च करें यह खत्म नहीं होता बल्कि बढ़ता ही जाता है तथा इस विद्या रूपी धन से लोगों का उपकार ही होता है।

5. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए :–

क. कवि किस भाव को मिटाना चाहता है?

प्रेम शांति छुआछूत

ख. ऊँच–नीच के भेदभाव को भुलाकर किसे पाया जा सकता है?

समता विषमता निर्धनता

ग. कवि में किस वस्तु की चाह नहीं है?

विद्या पाना मौज उड़ाना उपकार करना

6. सही वाक्य के आगे 'हाँ' और गलत के आगे 'नहीं' लिखिए –

क. कवि अमीरों की सहायता करना चाहता है। नहीं

ख. कवि ईश्वर से विद्या धन माँग रहे हैं। हाँ

ग. गांधीजी छुआछूत का विरोध करते थे। हाँ

घ. कवि खाना–पीना और मौज उड़ाना चाहता है। नहीं

7. पंक्तियाँ पूरी कीजिए।

खाना–पीना, मौज उड़ाना,
ऐसी मेरी चाह नहीं।
पर उपकार सदैव करूँ पर,
अपनी कुछ परवाह नहीं।